हिंदी

(वसंत) (अध्याय- 13) (नौकर)
(कक्षा - 6)
प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गांधी जी ने कौन सा काम करवाया और क्यों?

उत्तर 1:

एक बार उनके पास कॉलेज के कई छात्र मिलने आए। उनको अंग्रेजी भाषा के अपने ज्ञान का बड़ा गर्व था। गांधीजी से बातचीत के अंत में वे बोले, बापू, यदि मैं आपकी कोई सेवा कर सकूँ तो कृपया मुझे अवश्य बताएँ। उन्हें आशा थी कि बापू उन्हें कुछ लिखने-पढ़ने का काम देंगे। गांधीजी ने उनके मन की बात जान ली और बोले, अगर आपके पास समय हो, तो इस थाली के गेहूँ बिन डालिए। वे बेचारे बड़ी मुश्किल में पड़ गए, लेकिन अब तो कोई चारा नहीं था। एक घंटे तक गेहूँ बिनने के बाद वह थक गए और गांधी से विदा माँग कर चल दिए।

प्रश्न 2:

'आश्रम में गांधीजी कई ऐसे काम भी करते थे, जिन्हें आमतौर पर नौकर-चाकर करते हैं'। पाठ से तीन ऐसे प्रसंगों को अपने शब्दों में लिखो जो इस बात का प्रमाण हों।

उत्तर 2:

आश्रम में गांधी कई ऐसे काम भी करते थे जिन्हें आमतौर पर नौकर-चाकर करते हैं। जिस जमाने में वे बैरिस्टरी से हजारों रुपये कमाते थे, उस समय भी वे प्रतिदिन सुबह अपने हाथ से चक्की पर गेंहूँ पीसा करते थे। सवेरे की प्रार्थना के बाद वे रसोईघर में जाकर सब्जियाँ छीलते थे। बड़े-बड़े पतीलों को भी कभी-कभी मांजने बैठ जाते थे, आश्रम के लिए बाहर बने कुएँ से पानी खींचने का काम भी वे रोज करते थे।

प्रश्न 3:

लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गांधी जी ने क्या किया ?

उत्तर 3:

एक बार लंदन में उन्हें भारतीय छात्रों ने एक शाकाहारी भोज में निमंत्रित किया। छात्रों ने इस अवसर के लिए स्वयं ही शाकाहारी भोजन तैयार करने का निश्चय किया था। तीसरे पहर दो बजे एक दुबला-पतला और छरहरा आदमी आकर उनमें शामिल हो गया और तश्तरियाँ धोने, सब्जी साफ करने और अन्य छुट-पुट काम करने में उनकी मदद करने लगा। बाद में छात्रों का नेता वहाँ आया तो क्या देखता है कि वह दुबला-पतला आदमी और कोई नहीं, उस शाम को भोज में निमंत्रित उनके सम्मानित अतिथि गांधीजी थे।

प्रश्न 4:

गांधी जी ने श्रीमती पोलक के बच्चे का दूध कैसे छुड़वाया ?

उत्तर 4:

श्रीमती पोलक बहुत ही दुबली और कमजोर हो गई थी। उनका बच्चा उनका दूध पीना छोड़ता ही नहीं था और वह उसका दूध छुड़ाने की कोशिश कर रही थी। बच्चा उन्हें चैन नहीं लेने देता था और रो-रोकर उन्हें जगाए रखता था। गांधीजी जिस दिन लौटे, उसी रात से उन्होंने बच्चे की देखभाल का काम अपने हाथों में ले लिया। बच्चे को श्रीमती पोलक के बिस्तर पर से उठाकर अपने बिस्तर पर लिटा लेते थे। वह चारपाई के पास एक बरतन में पानी भरकर रख लेते ताकि यदि बच्चे को प्यास लगे तो उसे पिला दें, लेकिन इसकी जरूरत ही नहीं पड़ती थी। बच्चा कभी नहीं रोता और उनकी चारपाई पर रात में आराम से सोता रहता था। एक पखवाड़े तक माँ से अलग सुलाने के बाद बच्चे ने माँ का दूध छोड़ दिया।

प्रश्न 5:
आश्रम में काम करने या करवाने का कौन सा तरीका गांधी जी अपनाते थे? इसे पाठ पढ़कर लिखो।

उत्तर 5:
आश्रम में गांधी जी अपना काम खुद ही करते थे। उन्होंने सबको अपने-अपने काम बाँट रखे थे। सख्ती से काम करवाते थे। उन्हें अपना काम खुद करना पसंद था। वे दूसरे से काम करवाना पसंद नहीं करते थे। किसी के कुछ पूछने पर उसे नया काम बता देते थे। वह बेचारा गांधीजी को काम करता देख काम को मना भी नहीं कर पाता था।

निबंध से आगे

प्रश्न 1.
गांधी जी इतना पैदल क्यों चलते थे? पैदल चलने से क्या लाभ हैं? लिखो।

उत्तर-
पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। गांधीजी यह बात जानते थे, इसलिए वह मीलों पैदल चला करते थे। पैदल चलना एक व्यायाम है। इससे पैर की हड्डियों और माँसपेशियों को मजबूती मिलती है। पैरों में ताकत आती है। शरीर की चुस्ती और फुर्ती बनी रहती है। पैदल चलने की आदत स्वस्थ रहने में मददगार है।

प्रश्न 2.
अपने घर के किन्हीं दस कामों की सूची बनाकर लिखो और यह भी कि उन कामों को घर के कौन-कौन से सदस्य अकसर करते हैं? तुम तालिका की सहायता ले सकते हो-

काम	मैं	माँ	पिता	भाई	बहन	चाचा	दादी	अन्य
1. घर का सामान लाना			✓					
2. घर की सफ़ाई करना		✓			✓			
3. बिस्तर रखना		✓						
4. खाना बनाना		✓			✓			
5. कपड़े धोना		✓						
6. इस्त्री करना				✓				
7. जूतों की पॉलिश	✓							
8. अतिथियों की सेवा			✓					
9. बाहर कार्य			✓					
10. दूध लाना				✓				

अब यह देखो कि कौन सबसे ज़्यादा काम करता है और कौन सबसे कम? कामों का बराबर बँटवारा हो सके, इसके लिए तुम क्या कर सकते हो? सोचकर कक्षा में बताओ।

उत्तर-
सबसे ज्यादा काम माँ करती है और सबसे कम काम मैं, पिता, भाई और चाचा करते हैं। कामों के बराबर बँटवारे के लिए सबको बराबर कामों की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.
गांधी जी अपने साथियों की जरूरत के मुताबिक हर काम कर देते थे, लेकिन उनका खुद का काम कोई और करे, ये उन्हें पसंद नहीं था। क्यों? सोचो और अपनी कक्षा में सुनाओ।

उत्तर-
गाँजी जी अपने साथियों की जरूरत के मुताबिक हर काम कर देते थे, लेकिन अपना खुद का काम दूसरों से करवाना उन्हें पसंद नहीं था। जब तक शरीर बिलकुल लाचार न हो, वह किसी की मदद लेना नहीं चाहते थे। उन्हें यह पसंद नहीं था कि केवल महात्मा या बूढ़े होने की वजह से कोई उनकी सहायता करे। वह किसी पर भार नहीं बनना चाहते थे। अपनी जरूरत के लिए दूसरों को परेशान करना भी उन्हें ठीक नहीं लगता था।

प्रश्न 2.
"नौकरों को हमें वेतनभोगी मज़दूर नहीं, अपने भाई के समान मानना चाहिए। इसमें कुछ कठिनाई हो सकती है, फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निष्फल नहीं जाएगी।" गांधी जी ऐसा क्यों कहते होंगे? तर्क के साथ समझाओ।

उत्तर-
नौकरों को हमें वेतनभोगी मजदूर नहीं, अपने भाई के समान मानना चाहिए। इससे हमें कुछ कठिनाई हो सकती है, फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निष्फल नहीं जाएगी। गांधी जी ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि हमारे समाज में नौकरों को परिवार के सदस्य की तरह मानने की लोगों की मानसिकता नहीं रही है। नौकर भी मनुष्य होते हैं। उन्हें भी हमारी ही तरह प्यार और सहानुभूति की आवश्यकता होती है। हमारा प्यार एवं सहानुभूति पाकर वे खुश होंगे तथा कार्म में अधिक मन लगाएँगे। हमारा इस तरह का व्यवहार उन्हें संतुष्टि प्रदान करेगा।

प्रश्न 3.
गांधी जी की कही-लिखी बातें लगभग सौ से अधिक किताबों में दर्ज हैं। घर के काम, बीमारों की सेवा, आगंतुकों से बातचीत आदि ढेरों काम करने के बाद गांधी जी को लिखने का समय कब मिलता होगा? गांधी जी का एक दिन कैसे गुजरता होगा, इस पर अपनी कल्पना से लिखो।

उत्तर-
घर के काम, बीमारों की सेवा, आगंतुकों से बातचीत आदि ढेरों काम करने के बाद गांधी जी रात के समय बैठकर लिखते होंगे। गांधी जी में काम करने की अद्‌भुत क्षमता और शक्ति थी। उनका पूरा दिन व्यस्त गुजरता था। खाली बैठना वह नहीं जानते थे और थकान उन्हें कभी नहीं होती थी। सुबह उठकर वह निश्चय ही टहलने जाते होंगे। वहाँ से लौटकर नित्यक्रिया से निवृत्त होकर प्रार्थना सभा में शामिल होते होंगे। उसके बाद वह चक्की से आटा पीसने और रसोई में जाकर सब्जियाँ

छीलने का काम करते होंगे। इस बीच वह साथियों के कार्य की छानबीन भी करते होंगे। फिर वह कुएँ से पानी खींचते होंगे। इसके बाद आगंतुकों से मिलना और साथ में गेहूं बीनने का कार्य चलता रहता होगा। दोपहर का खाना वह कभी-कभी स्वयं ही सबको परोसते होंगे। शाम को राजनीतिक सम्मेलनों और सभाओं का कार्य देखते होंगे और रात में गांधी जी लिखने का कार्य करते होंगे। इस प्रकार उनकी व्यस्त दिनचर्या समाप्त होती होगी।

प्रश्न 4.
पाठ में बताया गया है कि गांधी जी और उनके साथी आश्रम में रहते थे। घर और स्कूल के छात्रावास से गांधी जी का आश्रम किस तरह अलग था? कुछ वाक्यों में लिखो।

उत्तर-
स्कूल के छात्रावास में छात्रों के रहने का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन होता है, उन्हें अन्य किसी कार्य की फिक्र नहीं रहती है। घर में परिवार के कुछ सीमित सदस्य साथ रहे केर जीवन-यापन करते हैं। परंतु गांधीजी के आश्रम में स्वतंत्रता सेनानी, देश तथा समाज के सेवक और उनके परिवार के कुछ सदस्य रह टे थे। आश्रम में ही उनका जीवन-यापन था और आटा पीसने से लेकर सब्जियाँ उगाने तक का काम वे आश्रम में किया करते थे। साथ ही आश्रम में रहकर वह देश की राजनीतिक हलचल पर अपनी निगाह रखते थे और स्वतंत्रता आंदोलन की योजना बनाकर उसकी दिशा तय करते थे।

प्रश्न 5.
ऐसे कामों की सूची बनाओ जिन्हें तुम हर रोज़ खुद कर सकते हो।

उत्तर-
ऐसे कई काम हैं जो प्रतिदिन स्वयं किए जा सकते हैं

- अपना बिस्तर ठीक करना
- अपने कमरे में झाड़ लगाना
- चीजों को उनकी व्यवस्थित जगह रखना
- अपनी प्लेट खुद धोना
- अपने मोजे साफ करना
- अपने जूते पॉलिश करना
- माँ या छोटे भाई-बहन के कामों में उनकी सहायता करना।

भाषा की बात

प्रश्न 1.

(क) "पिसाई' संज्ञा है। पीसना शब्द से 'ना' निकाल देने पर 'पीस' धातु रह जाती है। पीस धातु से

'आई' प्रत्यय जोड़ने पर 'पिसाई' शब्द बनता है। किसी-किसी क्रिया में प्रत्यय जोड़कर उसे संज्ञा बनाने के बाद उसके रूप में बदलाव आ जाता है; जैस-ढोना से ढुलाई, बोना से बुआई।
मूल शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाने वाले शब्दांश को प्रत्यय कहते हैं।
नीचे कुछ संज्ञाएँ दी गई हैं। बताओ ये किन क्रियाओं से बनी हैं?

1. रोपाई .....
2. कटाई .....
3. सिंचाई .....
4. सिलाई .....
5. कताई .....
6. रँगाई .....

उत्तर-

1. रोपाई – रोपना
2. कटाई – काटना
3. सिंचाई – सींचना
4. सिलाई – सिलना
5. कताई – कातना
6. रँगाई – रँगना

(ख) हर काम-धंधे के क्षेत्र की अपनी कुछ अलग भाषा और शब्द-भंडार भी होते हैं। ऊपर लिखे शब्दों का संबंध दो अलग-अलग कामों से है। पहचानो कि दिए गए शब्दों के संबंध किन-किन कामों से है?

उत्तर-
रोपाई, सिंचाई, कटाई कृषि क्षेत्र के काम हैं।
कताई, सिलाई, रंगाई वस्त्र निर्माण क्षेत्र के काम हैं।

प्रश्न 2.
(क) तुमने कपड़ों को सिलते हुए देखा होगा। नीचे इस काम से जुड़े हुए कुछ शब्द दिए गए हैं। आसपास के बड़ों से या दरजी से इन शब्दों के बारे में पूछो और इन शब्दों को कुछ वाक्यों में समझाओ।

- तुरपाई
- बखिया
- कच्ची सिलाई
- चोर सिलाई

(ख) नीचे लिखे गए शब्द पाठ से लिए गए हैं। इन्हें पाठ में खोजकर बताओ कि ये स्त्रीलिंग हैं या पुल्लिंग।

- कालिख
- भराई
- चक्की
- रोशनी
- सेवा
- पतीला

उत्तर-

- **तुरपाई –** हाथ से सिलाई करने को तुरपाई कहते हैं।
- **बखिया –** मशीन से जो सिलाई की जाती है उसे बखिया कहते हैं।
- **कच्ची सिलाई –** वह सिलाई जो पक्की सिलाई करने के बाद हटा दी जाए।
- **चोर सिलाई –** जो बाहर से दिखाई न दे।

(ख) कालिख, भराई, सेवा, चक्की, रोशनी स्त्रीलिंग है, जबकि पतीला-पुल्लिंग शब्द है।